पुस्तकालय

1
3241
12/12/12

सत्यमेव जयते

असंशोधित

13 DEC 2012

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

(भाग 1–कार्यवाही–प्रश्नोत्तर)

प्रतिवेदन शाखा
पी०स०प्र०सं० 1545 तिथि 11/12/12

कार्य-स्थगन प्रस्ताव

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, श्री सम्राट चौधरी उर्फ राकेश कुमार एवं अन्य दो माननीय सदस्यों से प्राप्त कार्य-स्थगन प्रस्ताव नियमानुकूल नहीं रहने के कारण अमान्य किया जाता है ।

श्री सम्राट चौधरी उर्फ राकेश कुमार : अध्यक्ष महोदय, अदालतगंज में जो घटना घटी...

श्री भाई वीरेन्द्र : मामला बहुत गंभीर है हुजूर और हर बात को, कार्य-स्थगन को आपने अमान्य किस नियम के तहत, क्या कारण है.....

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बैठिए । शांति-शांति ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, जिस मामले को उठा रहे हैं अदालतगंज घाट पर छठ पर्व पर के दिन हुए हादसे के बारे में, उसके लिए इसपर वक्तव्य देने के लिए सरकार तैयार है । आप जिस समय समय निर्धारित करें, आज ही, अभी-भी सरकार तैयार है, जिस समय आप समय निर्धारित करेंगे, सरकार उसपर व्यक्तव्य देने के लिए तैयार है ।

श्री सम्राट चौधरी उर्फ राकेश कुमार : बहस के लिए सर । महोदय, नियम-४३ के तहत इसको कनभर्ट करा दिया जाय ।

श्री भाई वीरेन्द्र : हुजूर, विशेष बहस होनी चाहिए । प्रशासन की लापरवाही में यह घटना घटी है और उन्हीं लोगों को जांच दी गयी है जो लापरवाह लोग थे....

(इस अवसर पर राजद के सभी माननीय सदस्य अपने-अपने सीट पर खड़े होकर एक साथ बोलने लगे - व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य... शांति-शांति । बैठिए ।

(व्यवधान)

बैठिए । शांति-शांति ।

माननीय मंत्री... बैठिए तो । पहले बैठिए तो ।

(इस अवसर पर राजद के सभी माननीय सदस्य अपने-अपने सीट पर बैठ गये)

माननीय मंत्री, कल ध्यानाकर्षण के बाद आप अपना वक्तव्य इस विन्दु पर दे दें ।

श्री अब्दुल बारी सिद्दिकी, नेता विरोधी दल : महोदय, सरकार जब वक्तव्य देने के लिए तैयार ही है और बहुत ज्यादा बिजनेस नहीं है और बहुत तरह के आरोप-प्रत्यारोप लगते रहते हैं और कई तरह की चर्चायें हुई तो इसमें दो घंटे का बहस कराने में क्या हर्ज है ? कोई हर्जा तो है नहीं ? सांच को आंच क्या, जो फैक्ट है आप रख देंगे और जो जानकारी हमलोगों को है, वह रख देंगे । सिर्फ वक्तव्य देना है तो वक्तव्य देने की कोई जरूरत नहीं है, तब आप अपना वक्तव्य अपने पास रखें, वक्तव्य नहीं चाहिए । यदि बहस होगी तब तो ठीक है, नहीं तो वक्तव्य अपने समाचार-पत्र में प्रकाशित करा दीजियेगा ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, माननीय नेता प्रतिपक्ष जिम्मेवार सदस्य हैं । हम सरकार की तरफ से जिस तरह के भीषण हादसे पर अगर सरकार अपना वक्तव्य रखना चाहती है तो इसके लिए हमें आपके अलावा किसी और की इजाजत या परमीशन की आवश्यकता नहीं है । यह तो उनकी मांग पर ही हम रख रहे हैं । ऐसी भी बात नहीं

है, सरकार जब इस तरह की कोई दुर्घटना हुई है और अगर सरकार वक्तव्य रखना चाहती है तो वह आपकी इजाजत से रख सकती है और अगर माननीय सदस्य नहीं चाहते हैं कि सरकार वक्तव्य दे या उनकी मांग पर नहीं दी जाय वक्तव्य तो हम सरकार की ओर से आग्रह करते हैं कि आप हमें इजाजत दीजिए, सरकार उसपर वक्तव्य देना चाहती है ।

श्री अब्दुल बारी सिद्दिकी, नेता विरोधी दल : महोदय, मेरा फिर अनुरोध है कि किसी भी हादसे पर किसी भी तरह की राजनीति नहीं करना चाहता हूँ, मैं चाहता हूँ कि यह जो दुःखद घटना है, उसपर सदन के जो माननीय सदस्य हैं, वे इसपर दो घंटा बहस करें, फिर सरकार अपना पक्ष रखे, वक्तव्य दे, जो भी बोलना है बोले । मगर सरकार को अगर वक्तव्य ही देना है तो विभिन्न समाचार-पत्रों में प्रेस कान्फ्रेंस करके या विज्ञापन के जरिए आप दे दीजिए ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : महोदय, यह टेनर अच्छा नहीं है हर बार । इसकी कोई जरूरत नहीं है । सरकार हमेशा कंसीड्रेट करती है लेकिन मैं देखता हूँ कि नेता विपक्ष का टोन टेनर अनावश्यक है, तनावपूर्ण होता है और इसकी कोई आवश्यकता नहीं है और मनुष्य में जब कमजोरी होती है तो ज्यादा गुस्से में और तनाव में रहता है । बहरहाल मैं आपसे आग्रह करूँगा कि सत्ता पक्ष को कोई एतराज नहीं है, कभी-भी इस विषय पर आप बहस करा सकते हैं ।

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री : महोदय, नेता विरोधी दल अभी तो बहुत तत्पर हैं, कार्य-मंत्रणा समिति में तो उठाये नहीं कि इसमें बहस होनी चाहिये । अभी उठा रहे हैं, न्यूज ले रहे हैं, न्यूज ।

श्री अब्दुल बारी सिद्दिकी, नेता विरोधी दल : इसपर राजनीति न किया जाय । जब कार्य-मंत्रणा समिति की बैठक हुई थी...

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री : आपने कार्य-मंत्रणा समिति की बैठक में इस विषय को नहीं रेज किया...

श्री अब्दुल बारी सिद्दिकी, नेता विरोधी दल : कार्य-मंत्रणा समिति की बैठक में...

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री : मैं फिर कह रहा हूं कि न ही नोटिस दिया ..

(व्यवधान)

श्री अब्दुल बारी सिद्दिकी, नेता विरोधी दल : सुना जाय । जब मैं खड़ा हूँ तो आप बैठिए, आप खड़े हो गये ।...

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री : समाचारों में ही बने रहिये, इससे भी नीचे जाइयेगा....

श्री अब्दुल बारी सिद्दिकी, नेता विरोधी दल : माननीय उप मुख्यमंत्री और माननीय मंत्री, जल संसाधन भी कार्य-मंत्रणा समिति में थे और जब प्रस्ताव स्वीकृत हो रहे थे तब हमलोगों ने कहा कि जब आप अगला कार्य मंत्रणा समिति का बैठक नहीं रखियेगा तो हमलोगों का स्पेशल डिबेट का क्या होगा ? (व्यवधान) जी नहीं, बैठक में । बहस का हो गया न !

अध्यक्ष : शांति । सदन की सूचीबद्ध कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुये....

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री : नियमानुसार इनको लिखकर देना पड़ेगा...

(व्यवधान)